# आईआईटी में सुपरकम्प्यूटर 'परम शिवाय' का लोकार्पण

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

वाराणसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (बीएचयू) में नेशनल सुपर कंप्यूटिंग मिशन के तहत 32.5 करोड़ रुपये की लागत से बने 833 टेराफ्लॉप क्षमता का 'परम शिवाय' सुपरकंप्यूटर का लोकार्पण किया। साथ ही, संस्थान के शताब्दी वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री ने स्मारक डाक टिकट जारी किया। डाक टिकट एलबम का विमोचन भी किया।

इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार जैन ने बताया कि राष्ट्रीय सुपर कंप्यूटिंग मिशन (एनएसएम) भारत सरकार की तरफ से महत्वपूर्ण पहल है। यह पहल सरकार के 'डिजिटल इंडिया' और 'मेक इन इंडिया' के दृष्टिकोण का समर्थन तो करती है, साथ ही, यह भारत को विश्व की सुपर कंप्यूटिंग मानचित्र में सबसे आगे रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस परियोजना के तहत सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी-डैक) ने एनएसएम की श्रृंखला के तहत के 833 टेराफ्लॉप क्षमता का प्रथम सुपरकंप्यूटर 'परम शिवाय' का विकास और निर्माण कर लिया है।

**एनएसएम श्रेणी में आईआईटी बना पहला सुपरकंप्यूटिंग केंद्र :** भारत को सुपर कंप्यूटिंग में विश्व में अगुआ बनाना और राष्ट्रीय तथा वैश्विक स्तर पर चुनौतियों से निपटने के लिए भारत की क्षमता बढाना। साथ ही, हमारे वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं

**833** टेराफ्लॉप क्षमता के सुपर कंप्यूटर का पूर्वांचल के छात्र व शोधार्थी उठा सकेंगे लाभ

को सुपर कंप्यूटिंग सुविधाओं के साथ सशक्त बनाना एवं उनके संबंधित क्षेत्रों में अग्रणी शोध करने में सक्षम बनाना है। वैश्विक प्रतिस्पर्धा तक पहुंच बनाना और सुपर कंप्यूटिंग क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को सुरक्षित करना इस केंद्र के मुख्य उद्देश्य होंगे।

**पूर्वांचल के छात्रों, शोधार्थियों को मिलेगा फायदा :** इस सुपर कंप्यूटिंग का आईआईटी और बीएचयू के संकाय सदस्यों, वैज्ञानिकों और शोध छात्रों को लाभ तो मिलेगा ही, इसके अलावा पूर्वी यूपी के आसपास के इंजीनियरिंग कॉलेज के वैज्ञानिकों, शिक्षकों और शोध छात्रों, सरकारी शोध प्रयोगशालाओं में चल रही राष्ट्रीय महत्व की परियोजनाओं को 40 प्रतिशत कंप्यूटर पॉवर दी जाएगी। नवोदय विद्यालय के छात्रों को बेसिक सुपर कंप्यूटिंग से परिचित कराया जाएगा और आम

बीएचयू में आईआईटी पर जारी हुआ डाक टिकट।

आदमी से संबंधित प्रासंगिक सामाजिक समस्याओं जैसे सिंचाई योजना, यातायात प्रबंधन, स्वास्थ्य, सस्ती दवाओं की खोज आदि का निवारण किया जाएगा।

**'परम शिवाय' का उपयोग :** वैज्ञानिक क्षेत्रों में स्वदेशी सुपर कंप्यूटर सॉफ्टवेयर का विकास किया जाएगा। सुपर कंप्यूटर प्रोग्राम के तहत मानव संसाधन को प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही, जलवायु मॉडलिंग, मौसम की भविष्यवाणी, अंतरिक्ष इंजीनियरिंग, भूकंपीय विश्लेषण, वित्त, आपदा सिमुलेशन और प्रबंधन, पृथ्वी से परे खोज, वृहद डाटा एनालिटिक्स, सूचना संग्रह आदि कई क्षेत्रों में सिमुलेशन और माडलिंग का अनुप्रयोग किया जाएगा।

**इस केंद्र में इनका होगा समावेश :** 'परम शिवाय' सुपर कंप्यूटिंग केंद्र में सीपीयू एवं जीपीयू को शामिल करते हुए 223 प्रोसेसर नोड्स, 384 जीवी प्रति नोड डीडीआर चार रैम, पैरलर फाइल सिस्टम का प्रयोग करते हुए एक पेटाबाइट सेकेंडरी स्टोरेज और उपयुक्त ओपेन सोर्स सिस्टम और एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर सूट का समावेश होगा।